

## संदेश

गुरु तेग बहादुर जी के शहीदी दिवस के अवसर पर, मैं उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करती हूँ।

धर्म की रक्षा के लिए गुरु तेग बहादुर जी ने अपने प्राणों का बलिदान दिया था इसीलिए उनके बारे में कहा गया है कि "सिर दिया पर सार न दिया"। उनका बलिदान सदैव याद किया जाएगा।

उनका यह बलिदान समस्त मानवता के लिए था, जिसके लिए उनको 'हिन्द की चादर' कहा गया है।

आइए हम सब गुरु तेग बहादुर जी के धार्मिक एकता और भाईचारे के जीवन मूल्यों को अपनाने का संकल्प लें।

\*\*\*\*\*